राष्टीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
प्रेस विज्ञप्ति

रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा में उच्च निष्पादन कम्प्यूटर (एचपीसी) प्रणाली का उद्घाटन 30 जनवरी 2018 को डॉ. हर्षवर्धन, केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा किया गया।

माननीय केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आज देश को उच्च निष्पादन कम्प्यूटर (एचपीसी) प्रणाली 'मिहिर' को समर्पित किया, जिसका अर्थ है सूर्य और इसे राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (रा. म. अ. मौ. पू. के.), नोएडा में स्थापित किया गया है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने अपनी एचपीसी सुविधा में 6.8 पीटा फ्लॉप (पीएफ) तक वृद्धि की है, इसको मंत्रालय की दो घटक इकाइयों में स्थापित किया गया है, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे में 4.0 पीटा फ़्लॉप क्षमता और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ), नोएडा में 2.8 पेटा फ्लॉप क्षमता। आईआईटीएम में एचपीसी सुविधा 'प्रत्यूष' को दिनांक 8 जनवरी 2018 को डॉ. हर्षवर्धन ने राष्ट्र को समर्पित किया था।

एचपीसी प्रणाली पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार के अंतर्गत मौसम / जलवायु पूर्वानुमान और सेवाओं में सुधार के लिए एक राष्ट्रीय सुविधा होगी। आईआईटीएम, पुणे में सुविधा का उद्घाटन करते हुए डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि यह उच्च क्षमता और प्रदर्शन के मामले में भारत की सबसे बड़ी एचपीसी सुविधा होगी। दुनिया की एचपीसी सुविधाओं की शीर्ष 500 सूची में भारत की रैंकिंग मौजूदा 368 वें स्थान से शीर्ष 30 तक पहुंच जाएगी। मौसम / जलवायु समुदाय के लिए समर्पित एचपीसी संसाधनों के लिए भारत, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका के बाद चौथे स्थान पर होगा।

यह सुविधा मंत्रालय के विभिन्न परिचालन और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के माध्यम से भारत के नागरिकों को विश्व स्तर की पूर्वानुमान सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास का हिस्सा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक लाभ के लिए चक्रवातों, बाढ़ / सूखा, गर्म / ठंडी तरंगें, भूकंप, सुनामी आदि से बहु-संकट जोखिम में कमी के लिए अत्याधुनिक प्रणालियों का निर्माण करके कई सेवाएं विकसित की हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के साथ मिलकर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय 130 कृषि-मौसम विज्ञान इकाइयों के माध्यम से किसानों को जिला स्तर पर कृषि मौसम संबंधी सलाह प्रदान कर रहा है। वर्तमान में लगभग 2.4 करोड़ किसानों को जिला स्तर (लगभग 650 जिलों) में मौसम पूर्वानुमानों की जानकारी के साथ ये परामर्श प्राप्त होते हैं। इन सेवाओं को अब आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्रों की सहायता से जिला केंद्र (630 केंद्र) स्थापित करके ब्लॉक स्तर (लगभग 6500 ब्लॉक) तक बढ़ाया जाएगा। जुलाई 2018 तक लगभग 4.5 करोड़ किसानों तक पहुंचने की योजना है। इन सलाहों का उपयोग बड़े पैमाने पर किसानों द्वारा रोजाना कृषि कार्यों जैसे बुवाई, सिंचाई आदि के लिए किया जाता है।

नई एचपीसी सुविधा से निम्नलिखित सेवाओं में सुधार की संभावना है:

- पूरे भारत में ब्लॉक स्तर पर मौसम का पूर्वानुमान जो कठोर मौसम की घटनाओं की भविष्यवाणी कर सकता है।

- मानसून के अविरल / खंडित अवधि के लिए उच्च संकल्प मौसमी / विस्तारित पूर्वानुमान।

- अधिक सटीकता और समय - सीमा के साथ चक्रवातों की भविष्यवाणी के लिए बहुत उच्च संकल्प युग्मित मॉडल।

- बहुत उच्च संकल्प पर समुद्री पानी की गुणवत्ता के पूर्वानुमान सहित महासागर स्थिति पूर्वानुमान।

- सुनामी में अधिक से अधिक समय के साथ पूर्वानुमान।

यह नई एचपीसी सुविधा आईएमडी, आईएनसीओआईएस और एनसीएमआरडब्ल्यूएफ की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने में ही मदद नहीं करेगी बल्कि इन तीन संगठनों और विश्वविद्यालयों के शोध छात्रों के अनुसंधान और विकास गतिविधियों में भी सहायता करेगी।